आरजीएचएस में अनियमिततायें मिली, 1412 मेडिकल स्टोर एवं निजी अस्पताल ब्लॉक

आरजीएचएस में घोटाले उजागर होने के बाद सरकार ने प्रदेशभर में योजना के तहत पंजीकृत 4871 मेडिकल स्टोर और 1720 अस्पतालों की जांच कराई थी

बीकानेर, (निसं)। राजस्थान गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम (आरजीएचएस) के तहत अनियमितताएं मिलने पर प्रदेश में 1411 मेडिकल स्टोर और निजी अस्पतालों को पोर्टल पर ब्लॉक कर दिया गया है। इनमें बीकानेर के 35 हैं। योजना के तहत राज्यभर में पंजीकृत दवा विक्रेता जहां 1200 करोड़ के अटके हुए भुगतान की मांग को लेकर आंदोलन करने पर आमादा हैं, वहीं दूसरी तरफ उन्हें ब्लॉक करने के विभाग के फैसले के कारण हड़कंप मचा हुआ है। आरजीएचएस में घोटाले उजागर होने के बाद सरकार ने प्रदेशभर में कुल योजना के तहत पंजीकृत 4871 मेडिकल स्टोर और 1720 अस्पतालों की जांच कराई थी। अनियमितताएं मिलने पर कुल 1412 मेडिकल स्टोर और अस्पतालों को ब्लॉक कर दिया गया है। ये बिलिंग नहीं कर सकेंगे। अधिकांश ब्लॉक करने के पीछे कारण बैंक गारंटी खत्म होना और ड्रग लाइसेंस रिन्यू नहीं होने सहित छोटी-मोटी कमियां बताई जा रही हैं।

- **योजना के तहत राज्यभर में पंजीकृत दवा विक्रेता जहां 1200 करोड़ के अटके हुए भुगतान की मांग को लेकर आंदोलन करने पर आमादा हैं, वहीं दूसरी तरफ उन्हें ब्लॉक करने के विभाग के फैसले के कारण हड़कंप मचा हुआ है**

प्रादेशिक दवा विक्रेता समिति के सचिव रवि गुप्ता ने बताया कि बैंक गारंटी वापस करानी पड़ती है और ड्रग लाइसेंस बिना हम दवा नहीं बेच सकते, इसलिए इसे रिन्यू कराना ही पड़ता है। दरअसल योजना का सरकारी सिस्टम बिगड़ा हुआ है। इन कमियों को दुबारा चैक करना चाहिए, जिससे काउंटर फिर से शुरू किए जा सके। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. एसएन हर्ष और बीकानेर डिस्ट्रिक केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष बाबूलाल गहलोत ने भी भुगतान के लिए सरकार को पत्र लिखा है।

राज्य के कई अस्पताल संचालकों ने सरकार की इस योजना का बड़ा दुरुपयोग किया। निजी अस्पतालों में कराए जाने वाले इलाज का भुगतान उठाने के लिए फर्जी बिल बनाकर अपलोड कर दिए गए। एक ही बीमारी के इलाज के दो-दो बार भुगतान उठाए गए। सैकड़ों मेडिकल स्टोर संचालकों ने भी बिना जरूरत के महंगी दवाइयां देने के बिल बनाकर सरकार से भुगतान लिया। आजीएचएस के तहत नवंबर में 427 मेडिकल स्टोर शून्य बिक्री का हवाला देकर ब्लॉक किए गए हैं, जबकि हकीकत ये है कि समय पर भुगतान नहीं मिलन के कारण आपत्तियों के डर से इन मेडिकल स्टोर्स ने आरजीएचएस में बिलिंग की बंद कर दी है। अधिकांश मेडिकल स्टोर और अस्पताल बैंक गारंटी, ड्रग लाइसेंस और तकनीकी कारणों का हवाला देकर ब्लॉक किए गए हैं।

उदयपुर में ऑटो ड्राइवर के गले में कांच घुसा, मौत

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर शहर में तेज रफ्तार कार ने पीछे से ऑटो को टक्कर मार दी, जिसके बाद ऑटो के आगे का कांच टूटकर ऑटो ड्राइवर के गले में जा घुसा। राहगीरों ने गंभीर हालत में घायल को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां इलाज के दौरान मंगलवार सुबह उसकी मौत हो गई।

- **ऑटो को तेज रफ्तार कार ने मारी थी टक्कर, इलाज के दौरान मौत**

घटना सूरजपोल थाना इलाके के सरकारी फतह स्कूल के बाहर सोमवार रात 11 बजे के आसपास की है। मृतक की पहचान अमजद (35) निवासी खांजीपीर, गोसिया कॉलोनी के रूप में हुई है। सूचना के बाद सूरजपोल थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव मॉर्च्यूरी में रखवा दिया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पुलिस के मुताबिक हादसा उस समय हुआ जब ऑटो ड्राइवर हनुमान जी मंदिर के बाहर से अपना ऑटो लेकर गुजर रहा था। उस दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार कार ने ऑटो को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि ऑटो का आगे का कांच टूटकर ऑटो ड्राइवर के गले में घुस गया। इस दौरान वह लहूलुहान हालत में ऑटो में ही फंसा रहा। हादसे के बाद मौके पर राहगीरों ने ऑटो ड्राइवर को बाहर निकाला और गंभीर हालत में एमबी अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान ऑटो ड्राइवर ने मंगलवार को सुबह दम तोड़ दिया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। फिलहाल हादसे को अंजाम देने वाली कार की पहचान नहीं हो पाई है। इसके लिए पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रही है। पुलिस का कहना है कि परिजनों की ओर से दी गई रिपोर्ट के आधार पर जांच को आगे बढ़ाया जा रहा है। जल्द ही आरोपी ड्राइवर को तलाश कर कार्रवाई की जाएगी।

हादसे में पर्यटक की मौत : उदयपुर शहर के अम्बामाता थाना क्षेत्र राड़ाजी चौराहे के समीप कार की टक्कर से पर्यटक की मौत हो गई तथा साथी युवक घायल हो गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार सांय अम्बामाता थाना क्षेत्र राड़ाजी चौराहा से जलदाय विभाग रोड़ पर के बीच में अनियंत्रित कार ने स्कूटी को टक्कर मार दी। हादसे में बडोदरा गुजरात निवासी आदित्य तथा साथी गंभीर घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया, जहां आदित्य की मौत हो गई। आदित्य व साथी शहर भ्रमण के लिए आए थे एवं रेंट पर स्कूटी लेकर घूमने निकले थे। जहां बीच रास्ते में पिछे आ रही कार ने स्कूटी को टक्कर मार कर हादसे को अंजाम दिया।

भीवाड़ी में आयकर विभाग के डाटा एंट्री ऑपरेटर ने चार हजार की रिश्वत ली

जयपुर। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) की भिवाड़ी टीम ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए आयकर विभाग भिवाड़ी जिला खैरथल तिजारा (भारत सरकार) के डाटा एंट्री ऑपरेटर (संविदा) सुभाष चन्द उर्फ सोनू को चार हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया। यह रिश्वत परिवादी ने पुराना पैन कार्ड बंद करने की एवज में मांगी गई थी।

- **परिवादी ने पुराना पैन कार्ड बंद करने की एवज में मांगी गई थी रिश्वत**

एसीबी पुलिस महानिदेशक गोविंद गुप्ता ने बताया कि एसीबी भिवाड़ी टीम को परिवादी ने शिकायत दी कि उसने अपने पुराने पैन कार्ड को बंद करवाने के लिए आयकर विभाग भिवाड़ी में प्रार्थना पत्र देने पर भिवाड़ी कार्यालय के कर्मचारी (डाटा एंट्री ऑपरेटर) सुभाष चन्द उर्फ सोनू पुराना पैन कार्ड बंद करने के लिए पांच हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा है। जिस पर एसीबी भिवाड़ी के प्रभारी व उप अधीक्षक पुलिस (टीएलओ) परमेश्वर लाल ने शिकायत का सत्यापन कर ट्रेप की कार्रवाई करते हुए कर्मचारी सुभाष चंद्र उर्फ सोनू को चार हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया।

मारपीट में व्यक्ति घायल

उदयपुर। सूरजपोल थाना क्षेत्र में आपसी कहासुनी के दौरान आरोपियों ने हमला कर युवक को घायल किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार 21 दिसंबर रात में सूरजपोल थाना क्षेत्र कैलाश कॉलोरी के समीप प्रदीप पुत्र भंवरलाल व उसके साथी जिशान पर आरोपी मनीष मीणा, गिरदारी मीणा, ध्रुव मीणा, आर्यन मीणा व साथियों सरिये व चाकू से हमला कर घायल कर फरार हो गए। इस पर प्रदीप ने आरोपियों के खिलाफ पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया। जिसकी जांच एएसआई राजेश पाल कर रहे हैं।

पुलिस का आम व्यक्ति से गलत व्यवहार बर्दाश्त नहीं : डीजीपी राजीव शर्मा

कोटा, (निसं)। पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा मंगलवार को कोटा दौरे पर रहे। कोटा दौरे के दौरान पुलिस महानिदेशक ने पुलिस लाईन का निरीक्षण करते हुए कानून व्यवस्था, पुलिस कल्याण और जनसुरक्षा से जुड़े विभिन्न पहलुओं की समीक्षा की।

- **डीजीपी राजीव शर्मा ने भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस का संदेश दिया**
- **कोटा दौरे के दौरान पुलिस महानिदेशक ने पुलिस लाईन का निरीक्षण किया**

कोटा पुलिस लाईन में आयोजित संपर्क सभा को पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने संबोधित किया।

पुलिस महानिदेशक राजीव शर्मा ने पुलिसकर्मियों और अधिकारियों को संदेश देते हुए कहा कि उन्हें अपना काम निष्पक्षता से बिना किसी भ्रष्टाचार के करना चाहिये। उन्होंने कहा कि किसी भी हालत में भ्रष्ट पुलिसकर्मियों को नहीं बख्शा जायेगा। पुलिस महानिदेशक ने कहा कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार कानून व्यवस्था को सुदृढ़ रखते हुए जीरो टॉलरेंस की निति पर काम किया जा रहा हैं। डीजीपी राजीव शर्मा ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि पुलिस कार्मिकों के दफ्तर या थाने में व्यवहार को लेकर शिकायत आना बहुत गंभीर है, आमजन के साथ गलत व्यवहार को बर्दाश्त नहीं करेंगे। डीजीपी ने कहा कि पुलिस लाईन में आयोजित संपर्क सभा में साथियों को बताया है कि आम आदमी के साथ हमारा किस तरह का व्यवहार होना चाहिए, अगर पुलिस थाने में कोई व्यक्ति आ जाए तो उसे तत्काल मदद मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसा माहौल होना चाहिये कि पुलिस थाने में आने से पहले किसी व्यक्ति को सोचना नहीं पड़े, हम प्रयासरत् हैं कि जनता को पुलिस थाने में फ्रेंडली वतावरण मिले।

डीजीपी ने कहा कि महिलाओं की सुरक्षा, सायबर अपराध और ड्रग्स पर लगाम लगाना हमारा सीधा फोकस है। उन्होंने कहा कि जिस तरह से चुनौतियां बढ़ रही हैं, नई-नई तकनीक आ रही हैं, सायबर अपराध हो रहे हैं इनको किस तरह से अनुसंधान करना है, इन सभी के संबंध में विशेष ट्रेनिंग की जरूरत होती हैं। केंद्र सरकार की विशेष संस्था के जरिए भी ट्रेनिंग कर रहे हैं कि सायबर थाने में अच्छे प्रशिक्षण वाले लोग हों प्रत्येक थाने में दो से तीन लोग ऐसे हों जो सायबर अपराध की इन्वेस्टिगेशन की बेसिक तकनीक से अवगत हों। सायबर क्राइम के लिए 1903 हेल्पलाईन को मजबूत करने का प्रयास कर रहे है, इसमें स्टॉफ को बढ़ा रहे हैं ताकि कॉल जल्दी से अटेंड हो और पीड़ित को त्वरित रिस्पांस किया जाये। चाकूबाजी की घटनाओं पर डीजीपी ने कहा कि सभी मामलों की समीक्षा कर प्रभावी कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि अगर किसी भी अपराध में नाबालिग का इस्तमाल किया तो दोषी के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

डीजीपी राजीव शर्मा ने कोटा कोचिंग स्टूडेंट के लिए कहा कि बच्चों की काउंसलिंग से लेकर अलग एक प्रकोष्ठ यहां पर काम कर रहा है। पुलिस कोचिंग स्टूडेंट के मामले में काफी सक्रिय हेल्पलाइन भी यहां पर चला रही हैं, इसमें काफी काम हुआ है। उसमें समय-समय पर नए और जरूरत के अनुसार काफी कुछ बदलाव भी किए हैं। उन्होंने कहा कि नए कानून के संबंध में आम जनता से लेकर सभी लोगों को जागरूक किया जा रहा है, इसमें पुलिस की अकाउंटबिलिटी बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि पुलिस थानों और ऑफिस में साप्ताहिक अवकाश समय से मिले, इस संबंध में भी निर्देश दिए गए हैं। पुलिस महानिदेशक ने कोटा दौरे के दौरान पुलिस लाईन में नई लाईब्रेरी का उद्घाटन किया और कोटा, बूंदी व झालावाड़ की संयुक्त प्रदर्शनी का लोकार्पण किया। पुलिस महानिदेशक ने पुलिस सभागार में अधिकारियों के साथ बैठक की। पुलिस महानिदेशक के साथ अतिरिक्त महानिदेशक हवा सिंह घुमरिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

शहीद कैप्टन धर्मवीर सिंह के परिवार को 21 वर्ष बाद भूखंड का पट्टा मिला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर विकास प्राधिकरण में आयोजित शहरी समस्या समाधान शिविर में संभागीय आयुक्त एवं जेडीए अध्यक्ष डॉ. प्रतिभा सिंह द्वारा शिविर कार्यों का निरीक्षण करते हुए विभिन्न जोन के उपस्थित लाभार्थियों को पट्टे जारी किए गए। इस दौरान प्राधिकरण सचिव चंचल वर्मा, उपसचिव कंचन राठौड़, उपायुक्तगण, निदेशक अभियांत्रिकी, निदेशक आयोजना सहित उच्च अधिकारी मौजूद रहे।

शहरी समस्या समाधान शिविर में जेडीए द्वारा संवेदनशील सुशासन का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए 1971 के भारत-पाक युद्ध के शहीद कैप्टन धर्मवीर सिंह के परिवार को सम्मानित किया गया। शहीद कैप्टन धर्मवीर सिंह के नाम जेडीए द्वारा वर्ष 2004 में आवासीय भूखण्ड आवंटित किया गया था, किंतु उक्त भूखण्ड त्रुटिवश नीलामी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति को आवंटित हो गया। जेडीए आयुक्त उत्साह चौधरी द्वारा इस गंभीर तथ्य के संज्ञान में आने के पश्चात् प्रकरण को कार्यकारी समिति के समक्ष प्रस्तुत कर निर्णय उपरान्त शहीद के परिवार को न्याय देते हुए पंडित दीनदयाल उपाध्याय आवासीय योजना, बासनी तम्बोलिया में अन्यत्र भूखण्ड आवंटित किया गया। शिविर के दौरान जेडीए अध्यक्ष डॉ. प्रतिभा सिंह द्वारा शहीद कैप्टन धर्मवीर सिंह के परिवार का 21 वर्षों से लंबित भूखण्ड के संघर्ष का अंत करते हुए उनके पुत्र लेफ्टिनेंट कर्नल गौरव भाखरी को आवासीय भूखण्ड का पट्टा प्रदान किया गया। लेफ्टिनेंट कर्नल गौरव भाखरी एवं अन्य लाभार्थियों ने पट्टा प्राप्त करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं जेडीए अध्यक्ष डॉ. प्रतिभा सिंह का आभार व्यक्त किया गया। अध्यक्ष डॉ. प्रतिभा सिंह द्वारा शिविर निरीक्षण के दौरान जेडीए द्वारा सम्पादित किए जा रहे कार्यों की सराहना की गई, साथ ही राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त छूटों एवं रियायतों को अधिक से अधिक आमजन तक पहुंचाते हुए उनको लाभान्वित करने हेतु अधिकारियों एवं कर्मचारी को प्रोत्साहित कर उनका हौसला भी बढ़ाया गया।

- **शहीद कैप्टन धर्मवीर सिंह के नाम जेडीए द्वारा वर्ष 2004 में आवासीय भूखण्ड आवंटित किया गया था**
- **यह भूखण्ड त्रुटिवश नीलामी द्वारा किसी अन्य व्यक्ति को आवंटित हो गया था, शहरी समस्या समाधान शिविर में हुआ समाधान**

अजमेर डिस्कॉम ने स्टेट सब्सिडी योजना शुरू की

अजमेर, (कासं)। अजमेर विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (अजमेर डिस्कॉम) ने अपने क्षेत्र के 508 उपभोक्ताओं को कुल 86 लाख 36 हजार की सब्सिडी डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से उनके बैंक खातों में जारी की। इस योजना के तहत राज्य सरकार उपभोक्ताओं को केंद्र सरकार द्वारा दी जा रही सब्सिडी के अतिरिक्त 17 हजार रुपये की सब्सिडी दे रही है।

राज्य सरकार की 150 यूनिट फ्री बिजली योजना के अंतर्गत यह सब्सिडी उन उपभोक्ताओं को दी जा रही है, जो मुख्यमंत्री नि:शुल्क योजना का लाभ ले रहे हैं तथा जिन्होंने अपनी पक्की छत पर रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित करवाया है। डिस्कॉम के प्रबंध निदेशक के.पी. वर्मा ने बताया कि राज्य सरकार की यह योजना न केवल उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत प्रदान कर रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण और सराहनीय पहल है। रूफटॉप सोलर से स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा मिल रहा है तथा कार्बन उत्सर्जन में भी कमी आ रही है। डिस्कॉम प्रबंधन ने उपभोक्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में इस योजना का लाभ उठाने की अपील करते हुए कहा कि आने वाले समय में भी पात्र उपभोक्ताओं को सब्सिडी राशि डीबीटी के माध्यम से जारी की जाती रहेगी।

बाइक की टक्कर से बालक की मौत

उदयपुर। जिले के बैकरिया थाना क्षेत्र में बाइक ने राह चलते बालक को टक्कर मार दी। हादसे में बालक की मौत हो गई। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार बैकरिया थाना क्षेत्र में पीण्डवाड़ा गोगुन्दा हाइवे सीरवल राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर बाइक ने राह चलते बालक मुकेश कुमार (12) पुत्र दीता गरासिया को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर घायल होने पर उसे उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय में भर्ती करवाया जहां उसकी मौत हो गई।

पाटन में शादी के नाम पर ठगी करने वाले गिरोह का खुलासा, पांच गिरफ्तार

पाटन, (निसं)। शादी के नाम पर ठगी और ब्लैकमेलिंग करने वाले लुटेरी दुल्हन गिरोह का पाटन पुलिस ने पर्दाफाश किया है। पुलिस ने दुल्हन सहित गिरोह के पाँच सदस्यों को गिरफ्तार कर एक संगठित ठगी नेटवर्क का खुलासा किया है। आरोपी लंबे समय से पुलिस की रडार पर थे। यह कार्रवाई आईजी जयपुर रेंज एच.जी.आर. सुहास एवं एसपी सीकर प्रवीण नायक नुनावत के निर्देशन में, एएसपी नीमकाथाना लोकेश मीणा तथा वृताधिकारी सुशील मान के सुपरविजन में की गई।

- **प्रारंभिक जांच में गिरोह के अन्य राज्यों में भी सक्रिय होने की आशंका जताई**

थानाधिकारी रमेश मीणा के नेतृत्व में गठित विशेष पुलिस टीम ने तकनीकी एवं आसूचना विश्लेषण के आधार पर 23 दिसंबर को आरोपियों को दबोच लिया। पुलिस के अनुसार, परिवादी कृष्ण कुमार यादव से दिल्ली निवासी महिला की शादी तय कर ढाई लाख लाख रुपये की रकम वसूल की गई। शादी के बाद आरोपी गांव पहुंचे और महिला को कभी बेटी तो कभी पत्नी बताकर 10 लाख रुपये की अतिरिक्त मांग करने लगे। राशि नहीं देने पर आरोपियों ने अपहरण व बलात्कार जैसे झूठे मामलों में फंसाने की धमकी दी। पीड़ित द्वारा मामला दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए गिरोह को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपीयों में शबाना बेगम (31) निवासी दिल्ली/वेस्ट बंगाल, सकीला बानो (50) दिल्ली, जैरूदीन (53) दिल्ली, दिलबर हुसैन (33) दिल्ली, मोहम्मद आमिर (30) दिल्ली शामिल हैं।पुलिस द्वारा आरोपियों से गहन पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच में गिरोह के अन्य राज्यों में भी सक्रिय होने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस को इस गिरोह से जुड़े और मामलों के खुलासे की उम्मीद है।

शादी के नाम पर ठगी करने गिरोह का पाटन पुलिस ने पर्दाफाश किया।

शिल्पग्राम उत्सव : गुजरात का राठवा डांस देख रोमांचित हुए दर्शक

उदयपुर, (निसं)। गुजरात के आदिवासी डांस राठवा में नर्तकों और नर्तकियों ने जब खूबसूरत बैलेंस का प्रदर्शन किया तो दर्शक चकित हो गए। इसमें जब नर्तकियों को अपने कंधों पर खड़ा कर, पिरामिड बना नर्तकों ने डांस किया तो दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से शिल्पग्राम गूंजा दिया। शिल्पग्राम उत्सव के दौरान इस प्रस्तुति मंगलवार की शाम मुक्ताकाशी मंच पर खूब धूम मचाई। उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, उदयपुर की ओर से आयोजित किए जा रहे दस दिवसीय शिल्पग्राम उत्सव के तीसरे दिन शाम को मुख्य कार्यक्रम में इसके साथ ही अन्य राज्यों की प्रस्तुतियों ने उत्सव की थीम 'लोक के रंग-लोक के संग' को साकार कर दिया। इन प्रस्तुतियों ने दर्शकों के दिलों को झंकृत कर दिया।

- **ओडिशा और त्रिपुरा के नृत्यों ने संस्कृति से रूबरू कराया**

मुक्ताकाशी मंच पर विभिन्न राज्यों के कलाकारों ने लोक नृत्य की प्रस्तुति दी।

मुक्ता काशी मंच पर मंगलवार की शाम मुख्य कार्यक्रम में राजस्थान के नगाड़ा वादन, सफेद आंगी व लाल आंगी गेर के साथ ही चरी डांस ने तमाम दर्शकों का दिल जीत लिया, वहीं इस प्रोग्राम को ओडिशा के संभलपुरी व मणिपुर के लाई हारोबा व कर्नाटक के पूजा कुनिथा डांस ने प्रोग्राम को लोक संस्कृति को साकार कर दिया।

इस शाम को और भी खूबसूरत बनाया घूमरो-घूमरो श्याम रंग घूमरो... फैम कश्मीर के रौफ डांस की प्रस्तुति ने इस गाने के बोलों के साथ सामयीन ने भी जमकर सुर मिलाए और डांस को खूब दाद दी। अपनी अदाकारी, शृंगार और तीव्र, मध्यम एवं धीमी लयकारी के अनूठे समन्वय के लिए मशहूर महाराष्ट्र के लावणी डांस ने दर्शकों को सम्मोहित-सा कर दिया। वहीं, महाराष्ट्र की अन्य डांस फॉर्म मल्लखंभ के करतबों ने दर्शकों को रोमांचित करने के साथ ही उनकी खूब वाहवाही लूटी। यह शाम और लोकरंजक बनाने में पंजाब के लुड्डी और गुजरात के तलवार रास लोक नृत्यों ने दर्शकों में जोश और उत्साह का संचार कर उन्हें मंत्रमुग्ध कर दिया, तो हरियाणा की प्रसिद्ध घूमर पर भी दर्शक जमकर झूमे। कार्यक्रम का संचालन मोहिता दीक्षित और वेदिका दीक्षित ने किया।

उत्तर क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक फुरकान खान ने बताया कि इस उत्सव का मूल उद्देश्य विभिन्न राज्यों की फोक प्रस्तुतियों के साथ ही हस्त शिल्पियों के उत्पादों को उचित मंच प्रदान करने का है। मेवाड़, खासकर उदयपुर शहर के कला प्रेमियों की रुचि का इसकी सफलता में अहम योगदान है। शिल्पग्राम उत्सव के दौरान बंजारा मंच पर 'हिवड़ा री हूक' के दूसरे दिन मंगलवार को भी युवाओं में भारी उत्साह देखा गया। वैसे, यह प्रोग्राम हर उम्र के श्रोताओं को लुभा रहा है। इसमें मेलार्थियों ने खुद प्रस्तुतियां देकर लुत्फ उठाया, वहीं गीत-संगीत के बीच के अंतराल में संचालक सौरभ भट्ट की प्रश्नोत्तरी इसे और भी लोकप्रिय बना रही है। क्विज में सही उत्तर देने वालों को उपहार भी दिए जा रहे हैं।

हादसे में युवक की मौत, साथी युवक घायल

उदयपुर, (निसं)। टीडी थाना क्षेत्र में ट्रक की टक्कर से ट्रैक्टर पलट गया। हादसे में एक युवक की मौत हो गई तथा साथी युवक घायल हो गया।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार टीडी थाना क्षेत्र में सोमवार रात में ट्रक ने ट्रैक्टर को टक्कर मार दी। जिसके चलते ट्रैक्टर पलट गया। हादसे में टीडी नाल निवासी मुकेश (28) पुत्र पूंजाजी मीणा तथा उपला खेड़ा निवासी जगदीश पुत्र थावरा दोनों गंभीर घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए एमबी चिकित्सालय पहुंचाया। जहां मुकेश की मौत हो गई। इस पर हेड कांस्टेबल जितेन्द्र ने मृतक का पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों को सौंप दिया। मुकेश व जदगीश देनों ट्रैक्टर में बैठ कर टीडी की नाल से पडूणा की तरफ जा रहे थे, जहां बीच रास्ते में पीछे से आ रहे अनियंत्रित ट्रक ने टैक्टर को टक्कर मार दी जिसके चलते हादसा हो गया। पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

सूने मकान में हुई लाखों की चोरी का पर्दाफाश, एक गिरफ्तार

नसीराबाद, (निसं)। नसीराबाद सदर थाना क्षेत्र में हुई बड़ी नकबजनी की वारदात का पुलिस ने महज 72 घंटे में सफल खुलासा कर दिया। कार्रवाई करते हुए पुलिस ने एक शातिर आरोपी को गिरफ्तार कर घटना में प्रयुक्त कार, चोरी के आभूषण और नकदी बरामद की है। मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

- **पुलिस ने एक आरोपी को कोटा से गिरफ्तार किया, अन्य आरोपियों की तलाश जारी**
- **करीब 10 तोला सोना, 2 किलो चांदी व 1.80 लाख की नकद चोरी हुई थी**

जानकारी के अनुसार 16 दिसंबर को नसीराबाद सदर थाना क्षेत्र के बलवंता गांव में अज्ञात बदमाशों ने एक बंद पड़े मकान को निशाना बनाकर बड़ी नकबजनी की वारदात को अंजाम दिया। घटना के समय मकान मालिक और परिवारजन घर पर मौजूद नहीं थे। बदमाशों ने ताले तोड़कर अलमारियों में रखा सामान अस्त-व्यस्त कर दिया और करीब 10 तोला सोना, 2 किलो चांदी व करीब 1.80 लाख की नकद चोरी कर फरार हो गए। अगले दिन परिवादी सूरजमल कराड़िया, निवासी बलवंता ने नसीराबाद सदर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने संबंधित धाराओं में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। वारदात की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने विशेष टीमों का गठन किया। घटनास्थल का निरीक्षण कर नसीराबाद से कोटा तक करीब 500 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। तकनीकी विश्लेषण, संदिग्धों की गतिविधियों और वाहन ट्रैकिंग के आधार पर पुलिस को अहम सुराग मिले। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए 19 दिसंबर को मुख्य आरोपी शानू उर्फ शाहनवाज को कोटा शहर से गिरफ्तार किया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर नकबजनी की वारदात करना स्वीकार किया। गिरफ्तार आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में प्रयुक्त स्विफ्ट कार चोरी गया सोने जैसा धातु का एक आभूषण (चेन) 3000 रुपये नकद बरामद कर जब्त किए। आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है। जांच में सामने आया कि आरोपी रिहायशी इलाकों में पहले रैकी करते थे। सूने और बंद मकानों को चिन्हित कर रात के समय ताले तोड़ते और सोना-चांदी व नकदी चोरी कर फरार हो जाते थे।